प्रेस नोट

श्री घीरज साहू, प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने दिनांक 02 जून 2012 को निगम के सभी मुख्य अभियन्ताओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में निगम के संचालन में सुधार लाये जाने के उद्देश्य से नये संगठनात्मक ढॉचे के प्रस्ताव को सभी मुख्य अभियन्ताओं के समक्ष रखा गया। इसे पूर्व में एन0टी0पी0सी0 तथा भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ से प्राप्त संस्तुतियों तथा विश्व स्तर पर अपनायी जा रही उत्कृष्ट पद्धतियों के आधार पर परामर्शदाता "अर्नस्ट यंग" के सहयोग से तैयार किया गया है। प्रबन्ध निदेशक ने इसके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया।

इस बैठक में प्रबन्ध निदेशक ने निर्देश दिये कि उत्पादन में कमी को किसी कीमत पर बरदाश्त नहीं किया जायेगा और इसमें तुरन्त सुधार लाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने काम न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही किये जाने हेतु ताप विद्युत गृह प्रमुख को प्राधिकृत किये जाने के सम्बन्ध में विचार करने की बात कही। मशीनों पर फाल्ट होने की स्थिति में लॉगबुक न भरे जाने पर असंतोष व्यक्त किया। प्रबन्ध निदेशक ने सभी परियोजनाओं से ओवरहॉलिंग के प्रस्ताव टुकड़ों में न प्रेषित कर उसे समग्रता से लागत–सुधार की ऐनेलिसिस के साथ प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही ओवरहॉलिंग की तैयारी समय से पूरी रखने हेतु भी निर्देश दिये। इकाईवार लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए परियोजनाबद्ध इकाईवार समीक्षा की गयी और तदानुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। अनपरा में खराब ट्रान्सफार्मर को 17 जून तक कमीशन कर यूनिट नं0 1 को चालू करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी के साथ कोयले की स्थिति तथा आर.एण्ड.एम. कार्यों की भी समीक्षा कर निर्देशित किया गया। परीछा की 250 मेगावाट की 5वी इकाई तथा हरदुआगंज 250 मेगावाट की 9वीं इकाई को इसी माह वाणिज्यिक उत्पादन पर लाये जाने के लिए कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

मुख्य अभियन्ता(कारपोरेट स्टेटिजी)
उ0प्र0 राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि0,
लखनऊ।